पाठ-22

छोटी सी प्याऊ

आइए सीखें : ● जल का महत्व ● परहित की भावना का विकास। ● नए शब्दों का निर्माण, ● समानार्थी शब्द, ● सुलेख का अभ्यास, ● ड, ढ, ड़, ढ़ की ध्वनि की पहचान, ● लिंग परिचय।

तेज धूप में जब पथिकों का कंठ सूखता जाए।
ऐसे में छोटी-सी प्याऊ सबकी प्यास बुझाए॥
चौराहे या किसी मोड़ पर रखकर मटके काले।
गीला कपड़ा डाले दिखते सेवक प्याऊ वाले॥

शिक्षण संकेत : ■ कविता का सस्वर-वाचन कर अभ्यास कराएँ। ■ इसी प्रकार की अन्य कविताओं को बाल-सभा में सुनाने हेतु प्रोत्साहित करें। ■ कठिन शब्दों के अर्थ वाक्य प्रयोग द्वारा समझाएँ। ■ जल का महत्व बताएँ। ■ जल संचयन, जल प्रदूषण के विषय में समझाएँ।

हर आते-जाते को मिलती राहत ठण्डे जल से।
कहीं पे बाबा कहीं पे माई देते भर-भर कलसे॥

पुण्य बड़ा है प्यास बुझाना बूँद-बूँद है पावन।
व्यर्थ न पानी बहने पाए कहलाता जल जीवन॥

- हरीश दुबे

शब्दार्थ

पथिक	-	राहगीर	**कलसा**	-	एक विशेष प्रकार का घड़ा
पावन	-	पवित्र	**पुण्य**	-	अच्छा, श्रेष्ठ, शुभ, पवित्र
व्यर्थ	-	बेकार	**प्याऊ**	-	पानी पिलाने वाली जगह
कंठ	-	गला			

अभ्यास

बोध प्रश्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

क. हमारा कंठ कब सूखता है?

ख. प्यास किससे बुझती है?

ग. बड़ा पुण्य क्या है?

घ. हमें व्यर्थ पानी क्यों नहीं बहाना चाहिए?

ङ. प्याऊ पर हम क्यों जाते हैं?

2. सही विकल्प चुनिए।

क) तेज धूप में क्या होता है?

(कंठ सूखता है / गीला रहता है / कुछ नहीं होता)

ख) प्याऊ पर हम क्यों जाते हैं?

(पानी पीने / कपड़े धोने / नहाने)

ग) प्याऊ कब लगाई जाती है?

(गर्मी / सर्दी / बारिश)

घ) ठंडा जल पीकर हमें कैसा लगता है?

(ठंडक मिलती है / गर्मी पहुँचती है / जाड़ा लगता है)

3. खाली स्थान भरिए -

(व्यर्थ, बाबा, बड़ा, भर-भर, धूप, जीवन, कंठ)

क) तेज ..... में जब पथिकों का ..... सूखता जाए।

ख) कहीं पे ..... कहीं पे माई देते ..... कलसे।

ग) पुण्य ..... है प्यास बुझाना बूँद-बूँद है पावन।

घ) ..... न पानी बहने पाए कहलाता जल .....।

भाषा अध्ययन

1. उदाहरण के अनुसार नीचे लिखे शब्दों में 'वाला' शब्द जोड़कर नए शब्द बनाइए-

मटके - मटके वाला

प्याऊ – .....

पानी – .....

कपड़े – .....

2. नीचे लिखे शब्दों को पढ़िए और चार-चार बार सुन्दर व स्पष्ट अक्षरों में लिखिए-

कंठ	–	.....	.....	.....	.....
प्याऊ	–	.....	.....	.....	.....
ठण्डे	–	.....	.....	.....	.....
पुण्य	–	.....	.....	.....	.....
व्यर्थ	–	.....	.....	.....	.....

3. दिए गए शब्दों के समान अर्थ वाले शब्द लिखिए-

पथिक - राहगीर

सेवक – .....

कलसा – .....

पानी – .....

कंठ – .....

4. उदाहरण के अनुसार नीचे लिखे शब्दों से मिलते जुलते शब्द लिखिए

मटके – झटके, लटके, खटके

मटका – ....

बड़ा – ....

जल – ....

यह भी जानिए –

डाक	–	ढाक	डाल	–	ढाल
डोल	–	ढोल	पड़	–	पढ़
गाड़ी	–	गाढ़ी	गड़ना	–	गढ़ना
बड़ा	–	बढ़ा			

- पड़ और पढ़ शब्दों में क्रमशः ड़ और ढ़ आए हैं।
- गड़ना और गढ़ना शब्दों में ड़ और ढ़ शब्दों के मध्य में आए हैं।
- डाक और ढाक शब्दों में ड और ढ शब्दों के प्रारंभ में आए हैं।

ध्यान रखें –

- ड़ और ढ़ वर्ण शब्दों के प्रारंभ में नहीं आते। इनकी स्थिति ड और ढ ही रहती है। जैसे–

  डाक तथा ढाक

  डोल तथा ढोल
- ऊपर लिखे शब्दों से स्पष्ट है कि ड़ और ढ़ वर्ण का प्रयोग शब्दों के मध्य में तथा अन्त में ही होता है। जैसे – पढ़ना, गाड़ी।
- ड–ड़ और ढ–ढ़ लिखे शब्दों का सावधानी से उच्चारण करके अन्तर पहचानिए।

5. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध कीजिए-

सडक	.....	ड़ाकू	.....
पढ	.....	चढना	.....
लडना	.....	रगड	.....
बडाई	.....	कढाई	.....
लडाकू	.....	ढ़ंग	.....
ड़ाली	.....	ड़ोल	.....

पढ़िए और समझिए-

पिता	माता
भाई	बहन
मामा	मामी
दादा	दादी
नाना	नानी

- यहाँ वर्ग 'क' में लिखे शब्दों से पुरुषों का ही बोध हो रहा है जबकि वर्ग 'ख' में लिखे शब्दों से स्त्रियों का बोध हो रहा है।

यह भी जानिए-

- जिन संज्ञा शब्दों से पुरुष जाति का बोध होता है उसे पुल्लिंग कहते है। जैसे-लड़का, शेर, बैल।
- जो संज्ञा शब्द स्त्री जाति का बोध कराए, उसे स्त्रीलिंग कहते हैं। जैसे- लड़की, गाय, लता, नदी।

6. निम्नलिखित शब्दों में से पुल्लिंग और स्त्रीलिंग शब्द अलग-अलग कीजिए-

बाबा, माई, मटका, शेर, शेरनी, मोरनी, सेवक, दासी,
शिक्षक, मोर, गाय, शिक्षिका, बैल

स्त्रीलिंग		पुल्लिंग	
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

योग्यता विस्तार

- पुस्तकालय की पुस्तकों में से कोई दूसरी कविता याद करिए और बाल सभा में सुनाइए।
- जल के विभिन्न स्रोतों का चित्र ढूँढकर कक्षा में लगाइए।
- कौन-से काम में पानी जरूरी नहीं, गोला लगाइए।

पकाना	चिढ़ाना	सिंचाई	थकना	नहाना
छींकना	धोना	खाना	तैरना	पढ़ना
लड़ना	पीना	कूदना	खेलना	सोना

- गन्दे पानी से होने वाली हानियों पर चर्चा कीजिए।
- पानी की उपयोगिता पर आपस में चर्चा करें।
- जल संरक्षण तथा पानी के महत्व पर पोस्टर तथा नारे लिखिए।

शिक्षक संकेत : जल संरक्षण, जल के महत्व पर पोस्टर, नारा लेखन प्रतियोगिता करवाएँ।